कांग्रेस की जांच रिपोर्ट में 90 प्रतिशत स्थानों पर दूषित पानी

- शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट की जारी
- कांग्रेस सौंपेगी संभागायुक्त, सांसद, नगरीय प्रशासन मंत्री और मुख्यमंत्री को रिपोर्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में शायद ही अभी तक कोई ऐसा विपक्षी पार्टी होगी, जिसने पानी के नमूनों की जांच (वॉटर ऑडिट) करवाया हो. भागीरथपुरा में जहरीले पानी से 36 लोगों की मौत होने के बाद कांग्रेस ने शहर में 250 अलग अलग वार्डो, मोहल्लों और कॉलोनियों से पानी के नमूने लेकर जांच करवाई. जांच में कई बड़े पैमाने पर जानलेवा बेक्टेरिया पाए गए हैं. पानी में मिले बेक्टेरिया में आमजन को कई तरह की गंभीर बीमारी होने का खतरा पैदा हो सकता है.

फरवरी माह में भागीरथपुरा में जहरीला पानी पीने से 36 लोगों की मौत हो गई थी. इसके बाद कांग्रेस के प्रदेश नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने दो दिन तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों वाटर ऑडिट किया था. सिंघार को हर जगह गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई होने शिकायत रहवासियों ने की थी. उपरोक्त रहवासियों की शिकायत के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के निर्देश पर अभिजीत शर्मा बिट्टू और ब्लॉक अध्यक्ष जतिन थोरात एवं कांग्रेस के क्षेत्रीय नेताओं, कार्यकर्ताओं ने शहर के 29 वार्डो और 7 विधानसभा में पानी के करीब 250 नमूने लिए. नमूने एक लीटर की बॉटल में जांच के लिए भेजे गए थे. शहर के विभिन्न इलाकों में बोरिंग और नर्मदा लाइन से सप्लाई हो रहे पानी के नमूने लिए गए थे. सभी नमूने नोएडा (दिल्ली) की जांच यूनिग्लोब एनालिटीका प्रायवेट लिमिटेड एजेंसी ने की. पानी नमूनों की जांच रिपोर्ट में शहर सभी क्षेत्रों के 29 वार्डो में 90 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं पाया गया है. मतलब यह है कि पानी ज्यादातर जगह पर दूषित वितरण हो रहा है.उक्त वॉटर ऑडिट रिपोर्ट को लेकर आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े और पूर्व इंदौर शहर प्रभारी संजीव सक्सेना ने आज प्रेस कांफ्रेंस ली.

जनता की जान से खेल रहे-रिपोर्ट को लेकर जीतू पटवारी ने कहा कि शहर का 90 प्रतिशत पानी जहरीला सप्लाई हो रहा है और कोई जनप्रतिनिधि देखने को तैयार नहीं है. जनता की जान से खेल रहे हैं. यह पहला मौका है कि जब कांग्रेस ने इंदौर में इतने बड़े पैमाने वॉटर ऑडिट करवाया है. उसकी रिपोर्ट आज हम सार्वजनिक कर रहे है. इससे समझा जा सकता है कि इंदौर में कितना बैक्टेरिया वाला पानी आमजन पी रहे है.

स्वतंत्र जल ऑडिट हो-पटवारी ने कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकार और नगर निगम से मांग है कि इंदौर में स्वतंत्र जल ऑडिट हो. हर वार्ड की रिपोर्ट सार्वजनिक हो, जिस वार्ड और जगह पर गंदा पानी वितरण हो रहा है, वहां शुद्ध पानी दो. साथ ही शहर में पानी और ड्रेनेज की पुरानी पाइप लाइन का ऑडिट हो.

पटवारी ने पूछा-इंदौर और उज्जैन में दो कानून क्यों

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शहर में मास्टर प्लान की सड़कों के नाम पर सवाल उठाया और कहा कि इंदौर के साथ भेदभाव हो रहा है। यहां सौ सौ साल पुराने रजिस्ट्री वाले मकान तोड़े जा रहे रहे है। शंकरगंज और छावनी की कारवाई के साथ शहर में पूर्व में भी कई स्थानों में आम जन के निजी मकान तोड़े गए हैं. पटवारी के कहा कि दो शहर और दो कानून, ऐसा कैसे? उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन यादव अतिक्रमण का मूल्यांकन सिंहस्थ के तहत करके चार गुना मुआवजा दे रहे हैं. वहीं इंदौर में बिना मुआवजे के जनता मकान तोड़े जा रहे है.

सरकार बनी तो अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

पटवारी ने अधिकारियो को खिलाफ भी कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद प्रशासनिक अमले भी नहीं छोड़ा जाएगा. ऑडिट के आधार पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और जेल भी भेजा जाएगा. पटवारी ने शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे को कहा कि उक्त रिपोर्ट संभागायुक्त, सांसद, नगरीय प्रशासन मंत्री और मुख्यमंत्री से समय लेकर पानी की रिपोर्ट सौंपने के लिए भी कहा है. इस दौरान कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, अमित चौरसिया, अमीन उल खान सूरी, पार्षद कुणाल सोलंकी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे.

रिपोर्ट में निम्न जानलेवा बैक्टीरिया मिले

कांग्रेस द्वारा नोएडा (दिल्ली) में नर्मदा पानी की रिपोर्ट में जानलेवा बैक्टेरिया ई-कोलाई, टोटल कोलीफॉर्म, नाइट्रेट, आयरन, फ्री रेसिडोला पाए गए हैं।

हो सकती हैं निम्न बीमारियां-उपरोक्त पानी में मिले बैक्टेरिया से आम जनता को डिमेंशिया, केंसर, ग्रेस्ट्रोइंट, अल्जाइमर जैसी बीमारी होने का खतरा पैदा हो सकता है.

शहर के पांचों बड़े तालाब दूषित हो गए-पांच बड़े तालाब है बिलावली, यशवंत सागर, पिपलिया राव, लिंबोदी, सिरपुर. सभी तालाबों में सिवरेज का पानी मिल रहा है. राऊ तालाब में पानी नहीं टिकता है, उसके लिए नगर निगम को पानी रोकने और गहरी कारण कार्य करने की व्यवस्था करना होगी.

वर्षा जल संग्रहण में कांग्रेस साथ-पटवारी ने कहा कि वर्षा जल संचित करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता नगर निगम और प्रशासन को सहयोग करें. हम इंदौर में अपनी जमीन में पानी स्तर बढ़ाने की मुहिम में साथ है.

भाजपा वॉटर ऑडिट एजेंसी का लाइसेंस निरस्त करवाने जुटेगी: वर्मा-पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि आज वॉटर ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद महापौर और भाजपा जांच करने वाली एजेंसी का लाइसेंस निरस्त करवाने का काम करेगी. अपनी गलती और दूषित पानी पर असफल हिन्द बात स्वीकार नहीं करेगी. शहर के सांसद शंकर लालवानी सिर्फ दिल्ली दो विभागों रेलवे और नागरिक उड्डयन में जाते है. दोनों विभागों के मंत्रियों से मिलकर रेलवे और एयरपोर्ट के लिए दिए पत्र छपवाते हैं.

पानी की जांच रिपोर्ट सफेद झूठ और पूरी तरह से नियोजित : महापौर

- घटना-दुर्घटना या संकट के समय कांग्रेस करती है ओछी राजनीति
- इंदौर को बदनाम करने की कोशिश कर रही है कांग्रेस

नव भारत न्यूज

इंदौर. कांग्रेस इंदौर को बदनाम करने के कोशिश कर रही है. आज जारी पानी की जांच रिपोर्ट पूरी तरह से झूठी और नियोजित है.

उक्त बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी मीडिया से चर्चा के बाद कही. उन्होंने कहा कि शहर में करीब 650 टैंकरों से जनता को पानी देने का काम नगर निगम द्वारा किया जा रहा है और इंदौर में नर्मदा 360 एमएलडी पानी आ रहा है. शहर के कई इलाकों और 29 गांव के 10 वार्डो में नर्मदा लाइन नहीं होने एक बोरिंग सूखने से समस्या आई है. महापौर ने आज कांग्रेस की मीडिया से चर्चा के बाद प्रेस वार्ता कर कहा कि शहर में कोई घटना, दुर्घटना या संकट आता है तो ऐसे समय में कांग्रेस हमेशा ओछी राजनीति करके शहर का नाम बदनाम करने की कोशिश करती है. उन्होंने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, विपक्ष अपनी बात रख सकता है और सुझाव भी दे सकता है, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा शहर को बदनाम करने का काम किया है. महापौर ने कहा कि जीतू पटवारी और कांग्रेस पूरे शहर में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बिजलपुर और मूसाखेड़ी में स्काडा सिस्टम लगा हुआ है, जिसके माध्यम से नर्मदा का कितना पानी फिल्टर होकर इंदौर पहुंच रहा है और टंकियों तक कितना पानी जा रहा है, उसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध है. उन्होंने कहा कि इसी रिकॉर्ड के आधार पर नगर निगम करीब 360 एमएलडी से अधिक पानी शहरवासियों तक पहुंचा रहा है. इसके अलावा इस बार हजारों बोरिंग सूख गए हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां नर्मदा जल वितरण व्यवस्था नहीं है. महापौर ने आरोप लगाया कि कम पानी पहुंचाने और वितरण प्रबंधन को लेकर विपक्ष शहर को बूंद बूंद पानी के लिए तरसने वाला बताने की कोशिश कर रहा है, जो इंदौर शहर की बदनामी है.

महापौर ने कहा कि जीतू पटवारी और कांग्रेस ने राजवाड़ा पर प्रदर्शन कर यह दावा किया कि शहर का 90 प्रतिशत पानी जहरीला है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जीतू पटवारी अब पानी की टेस्टिंग के एक्सपर्ट और बड़े हाइड्रोलॉजिस्ट बन गए हैं. उन्होंने कहा कि जो शहर अपनी मेहनत से देश में सफाई में नंबर वन बना है और जिसे वाटर प्लस का दर्जा मिला है, उस शहर के पानी को जहरीला बताया जा रहा है. महापौर ने कहा कि रिपोर्ट में दिखाई गई तस्वीरों में प्लास्टिक की बोतलों में सैंपल इकट्ठा किए जा रहे हैं, जबकि एनएबीएल और भारत सरकार के मानकों के अनुसार पानी के सैंपल लेने की निर्धारित प्रक्रिया और मानक होते हैं. उन्होंने कहा कि सैंपल कांच के विशेष कंटेनर में लिए जाते हैं और निर्धारित समय के भीतर लैब तक पहुंचाना जरूरी होता है. ऐसे में प्रथम दृष्टया यह रिपोर्ट संदिग्ध और झूठी प्रतीत होती है.

महापौर ने रिपोर्ट पर उठाए सवाल...

1. क्या 90% क्षेत्र से सैंपल लिए गए?
2. केवल 29 वार्डों से लिए गए सैंपल?
3. रिपोर्ट तीन महीने तक क्यों दबाई कर रखी गई?
4. सैंपल लेने की प्रक्रिया पर सवाल?

जल संरक्षण के लिए सभी मिलकर लें संकल्प-महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है और इस वर्ष बड़ी संख्या में बोरिंग सूखने के कारण सभी को मिलकर जल संरक्षण के लिए संकल्प लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि जल स्तर बढ़ाने और जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है.

एक नजर में

स्पोर्टिंग यूनियन इंदौर अंडर-16 बालिका वर्ग के फाइनल में

महू. दिवंगत युवा फुटबॉलर जोशुआ बेंजामिन की स्मृति में आयोजित नि:शुल्क जिला स्तरीय ग्रासरूट फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन हाई स्कूल स्टेडियम ग्राउंड महू में रोमांच, संघर्ष और खेल भावना से भरपूर मुकाबले देखने को मिले प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर जिला फुटबॉल संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है. प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-16 बालिका, अंडर-13 बालक एवं अंडर-19 बालक वर्ग के कुल तीन मुकाबले खेले गए. अंडर-19 बालक वर्ग में आदिवासी एकेडमी फुटबॉल क्लब इंदौर एवं यूथ स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एकेडमी फुटबॉल क्लब महू के मध्य बेहद संघर्षपूर्ण एवं रोमांचक मुकाबला खेला गया. इसमें आदिवासी एकेडमी ने 1-0 से जीत हासिल की. वहीं, अंडर-16 बालिका वर्ग में स्पोर्टिंग यूनियन फुटबॉल क्लब इंदौर ने आदिवासी गर्ल्स फुटबॉल क्लब इंदौर को 1-0 से पराजित कर प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह बनाई. इसी प्रकार अंडर-13 बालक वर्ग में डे बोर्डिंग सेंटर फुटबॉल क्लब महू ने ग्रासरूट फुटबॉल क्लब इंदौर को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर जिला फुटबॉल संघ के कार्यालय सचिव शैलेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष अशोक पिल्ले एवं सुरेश डामोर थे. अतिथियों का स्वागत संतोष ट्रॉफी खिलाड़ी एवं जिला फुटबॉल संघ के सहसचिव अविनाश यादव, विक्रम शक्तावत, रमीज राजा, अजय खजूर तथा खेल विभाग के कोच लवलेश सिलावट, सचिन चौहान द्वारा किया गया. कार्यक्रम का संचालन अमित शुक्ला ने किया. प्रतियोगिता के निर्णायक मनोज मोरने, दीपक चौहान, आशीष सेन, प्रियांशु चोपड़ा एवं शाहरुख खान थे.

आईसीयू में भर्ती महिला के सोने का कंगन गायब

इंदौर. एमजी रोड थाना क्षेत्र स्थित अर्पण अस्पताल में भर्ती एक बुजुर्ग महिला के हाथ से सोने का कंगन चोरी होने का मामला सामने आया है. पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मूसाखेड़ी के मयूर नगर निवासी ज्योति गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई है कि 16 अप्रैल को उनकी मां उमा सूर्यवंशी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अर्पण अस्पताल में भर्ती कराया था. इलाज के दौरान उन्हें आईसीयू में रखा गया था. परिजनों के मुताबिक भर्ती के समय उमा सूर्यवंशी के दोनों हाथों में सोने के कंगन थे. शाम को जब उन्हें आईसीयू से बाहर लाया गया तो एक हाथ का कंगन गायब मिला. इसी दिन हालत गंभीर होने पर उन्हें गोकुलदास अस्पताल रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. परिवार में शोक होने के कारण उस समय शिकायत नहीं की जा सकी. अब परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है. पुलिस अस्पताल के आईसीयू में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी की पहचान हो सके.

पैदल जा रही युवती को कार ने मारी टक्कर

इंदौर. तुकोगंज थाना क्षेत्र में घंटाघर चौराहे पर सड़क पार कर ऑफिस जा रही एक युवती को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. हादसे में युवती को चोटें आई हैं. पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है. गोमा की फेल में रहने वाली 18 वर्षीय माही चौहान ने पुलिस को बताया कि जब वह पैदल अपने घर से ऑफिस जा रही थी. जैसे ही वह घंटाघर चौराहे पर पहुंची, तभी रीगल की ओर से तेज गति से आ रही एक अज्ञात कार के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पीछे से टक्कर मार दी. हादसे में माही सड़क पर गिर गई और उसकी ठुड्डी में चोट आई. पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

शहर की शराब दुकानों में खुलेआम चल रहे अवैध अहाते

- चोइथराम चौराहा वाइन शॉप के सामने हुए गोलीकांड ने खोली पोल
- पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत के आरोप

इंदौर. शराब दुकानों पर अवैध अहातों का खेल खुलकर सामने आ गया है. चोइथराम चौराहे के पास बुधवार देर रात गोली चलने की घटना को इसी अवैध सिस्टम का नतीजा बताया जा रहा है. शहर में शायद ही कोई ऐसी शराब दुकान हो, जहां अवैध अहाता संचालित न हो रहा हो. नियमों के मुताबिक शराब दुकानों के पास बैठकर शराब पीने की व्यवस्था बंद कर दी गई है, लेकिन हकीकत में दुकानों के अंदर ही खुलेआम लोगों को शराब परोसी जा रही है. सूत्रों के मुताबिक चोइथराम चौराहे के पास जिस दुकान के बाहर गोली चलने की बात सामने आई, वहां भी एक स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण में अवैध अहाता संचालित हो रहा था. इसी को लेकर विवाद बढ़ा और मामला गोली चलने तक पहुंच गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. बताया जा रहा है कि इस तरह के अवैध अहाते स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत से चल रहे हैं. शराब के साथ बैठकर पीने की अनुमति नहीं होने के बावजूद दुकानों के अंदर ही पीने-पिलाने के इंतजाम किए जा रहे हैं और विवाद की स्थिति बनने पर मामले को दबा दिया जाता है.

अहातों को लेकर पुलिस-आबकारी विभाग सवालों के घेरे में

घटना के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, हालांकि अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है. शहर में खुलेआम चल रहे ऐसे अवैध अहातों को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जिम्मेदार विभागों को यह सब क्यों नहीं दिख रहा. हालात ऐसे हैं कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी दिन बड़ी घटना हो सकती है.

पार्टी में विवाद के बाद दोस्त की हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

- पैसों के लेनदेन को लेकर बढ़ा था झगड़ा
- घायल हालत में अस्पताल में छोड़कर भाग गए थे आरोपी

नव भारत न्यूज

इंदौर. एरोड्रम थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में मिले युवक रोहित की मौत का मामला हत्या निकला. पार्टी के दौरान पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में दोस्तों ने ही उसकी जमकर पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

शुरुआती जांच में मामला दुर्घटना या अस्वाभाविक मौत का लग रहा था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पूरी घटना का खुलासा हुआ. रोहित अपने परिचितों के साथ एक कमरे में चल रही पार्टी में मौजूद था, जहां पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हुआ. आरोपियों में मिलन, पिंटू, मीत और एक अन्य साथी शामिल हैं, जो सभी आपस में दोस्त थे और एक ही इलाके के रहने वाले हैं. पुलिस के मुताबिक पार्टी के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया. इसमें रोहित को गंभीर चोटें आईं. घटना के बाद आरोपी ही घायल रोहित को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इसके बाद सभी आरोपी अस्पताल से फरार हो गए.

पुलिस की तत्परता से चारों आरोपी गिरफ्तार

मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले को हत्या मानते हुए प्रकरण दर्ज किया और तुरंत कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. मामले में एडीसीपी जोन 2 अमरेन्द्र सिंह ने बताया कि पार्टी के दौरान पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट के कारण युवक की मौत हुई है. मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

जीआरपी इंदौर में ई-ऑफिस सिस्टम लागू

- अब फाइलें होंगी पूरी तरह डिजिटल
- अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. जीआरपी ऑफिस इंदौर प्रशासनिक कामकाज को डिजिटल बनाने की दिशा में आगे बढ़ गया है. यहां जल्द ही ई-ऑफिस सिस्टम लागू किया जाएगा. इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया.

पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर कार्यालय में शुक्रवार को ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया. यह प्रशिक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल हेमंत चौहान के निर्देशन में हुआ, जिसमें कार्यालय की सभी शाखाओं के प्रभारी, स्टॉफ और कर्मचारी शामिल हुए. प्रशिक्षण का पहला चरण एससीआरबी पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा ऑनलाइन कराया गया. इसके बाद जिला स्तर पर आदित्य शर्मा द्वारा ऑफलाइन प्रशिक्षण देकर ई-ऑफिस की पूरी कार्यप्रणाली समझाई गई. इसमें फाइल प्रबंधन, डिजिटल पत्राचार और ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई.

आफिस का कामकाज हो जाएगा पेपरलेस

अधिकारियों ने बताया कि ई-ऑफिस लागू होने के बाद कागज पर होने वाला काम खत्म होगा और सभी फाइलें डिजिटल रूप से संचालित होंगी. इससे फाइलों का तेजी से निस्तारण होगा और रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस व्यवस्था से कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी, जवाबदेही तय होगी और समय की बचत भी होगी. साथ ही यह डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गवर्नेंस की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है. प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने ई-ऑफिस की प्रक्रियाओं को समझा और इसे प्रभावी तरीके से लागू करने का भरोसा जताया. विभाग जल्द ही पूरी तरह इस सिस्टम को लागू करने की तैयारी में है.

एमवाय अस्पताल के बाथरूम में नवजात का शव मिलने से सनसनी

इंदौर. एमवाय अस्पताल में शुक्रवार सुबह एक नवजात का शव मिलने से हड़कंप मच गया. शव इमरजेंसी वार्ड के सामने बने बाथरूम में पड़ा मिला, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सुबह कुछ लोग इमरजेंसी वार्ड के सामने स्थित बाथरूम पहुंचे, जहां उन्हें अंदर एक नवजात का शव दिखाई दिया. उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अस्पताल के सुरक्षा गार्ड को दी. इसके बाद सफाई कर्मचारियों की मदद से शव को बाहर निकाला. प्रारंभिक जानकारी में मृत नवजात की उम्र करीब तीन महीने बताई जा रही है. पुलिस ने शव को अस्पताल के सीएचएमओ कक्ष में रखवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया है. घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं.

अस्पताल परिसर में सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद इस तरह की घटना होना चिंता का विषय है. पुलिस अब पूरे मामले की सच्चाई जानने के लिए अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. वहीं अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर भी मामले की जानकारी जुटाने में लगे हैं. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवजात का शव बाथरूम तक कैसे पहुंचा और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है.

एक नजर में

फुटपाथ से गरीब और छोटे रेहड़ी-पटरी वालों का सामान तो तुरंत जब्त कर लिया जाता है या सड़क पर फेंक दिया जाता है, जबकि बड़े दुकानदारों पर नरमी बरती जाती है

नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में दोहरा मापदंड

इंदौर. नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में अक्सर दोहरा मापदंड देखने को मिलता है. फुटपाथ से गरीब और छोटे रेहड़ी-पटरी वालों का सामान तुरंत जब्त कर लिया जाता है या उन्हें हटा दिया जाता है, जबकि प्रभावशाली लोगों और बड़े दुकानदारों पर नरमी बरती जाती है, जिससे निगम की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं. मामला फुटपाथ पर अवैध तरीके से कब्जे और पथ विक्रेताओं से जुड़ा हुआ है. हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में राजमोहल्ला क्षेत्र में निगम की पीली गैंग द्वारा एक पथ विक्रेता का फल-सब्जी का सामान सड़क पर फेंकते और ठेला जब्त करते हुए देखा जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि फुटकर व्यापारी रोज कमाकर परिवार चलाते हैं, ऐसे में इस तरह की कार्रवाई उनके लिए बड़ा संकट बन जाती है. उन्हें स्थाई जगह नहीं दी गई. इससे वे फुटपाथ पर दुकान लगाने को मजबूर हैं. इसके अलावा ठेला संचालकों को बिना पूर्व चेतावनी या पर्याप्त समय दिए उनका सामान फेंक दिया जाता है या जब्त कर लिया जाता है, जिससे उनकी रोजी-रोटी छिन जाती है. शहर के कुछ प्रमुख क्षेत्रों में ही बार-बार कार्रवाई होती है, जबकि कई घनी आबादी वाले इलाकों में स्थाई अतिक्रमण जमे रहते हैं. इसका जीवंत उदाहरण राजवाड़ा के पास आड़ा बाजार मार्ग है. यहां पर कई दुकानदार वर्षों से फुटपाथ पर 7 से 8 फीट तक सामान फैलाकर कब्जा किए हुए हैं. इससे सड़क संकरी हो गई है और पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है. आरोप है कि निगम की पीली गैंग के पहुंचने से पहले व्यापारियों को सूचना मिल जाती है, जिससे वे अस्थायी रूप से सामान हटा लेते हैं और कार्रवाई खत्म होते ही दोबारा कब्जा जमा लिया जाता है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि निगम छोटे पथ विक्रेताओं पर सख्ती और बड़े व्यापारियों पर नरमी क्यों बरत रहा है.

इनका कहना है...

निगम को कार्रवाई जरूर करना चाहिए, लेकिन नियम सभी के लिए एक जैसे हों, पथ विक्रेताओ का सामान फेंक दिया जाता है, जबकि बड़े दुकानदार खुलेआम फुटपाथ घेर लेते हैं, इससे निगम की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं. - संजय साल्वे

गरीब मजदूर रोज कमाकर परिवार चलाते हैं, निगम वाले आते हैं तो सामान सड़क पर फेंक देते हैं और ठेला उठा ले जाते हैं, जबकि बड़े दुकानदारों पर कभी ऐसी कार्रवाई नहीं होती. गरीबों पर ही सख्ती करना गलत है. - घनश्याम

शहर को व्यवस्थित करना जरूरी है, लेकिन प्रशासन को मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाना चाहिए. यदि फुटपाथ से अतिक्रमण हटाना है तो कार्रवाई बिना भेदभाव के हो. छोटे व्यापारियों पर दबाव और बड़े कब्जाधारियों को राहत देना गलत संदेश देता है. - अर्जुन राजपूत समाजसेवी